ई-समाचार पत्र

प्रज्ञान

'युवाओं का मंच'

सप्ताह का विचार

आप को अपने भीतर से ही विकास करना होता है। आपको कोई सीखा नहीं सकता, आपको कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। आपको सिखाने वाला और कोई नहीं, सिर्फ आपकी आत्मा ही है।

–स्वामी विवेकानंद

दिनांकः 19 मार्च 2016 (साप्ताहिक) वर्षः 01 अंकः 03

व्यक्ति विशेष

'अनुशासित रहें, अपने निर्णय का सम्मान करें'

डा. एनके आहूजा। फोटो : शिप्रांशु पांडेय

सुभारती : स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनके आहूजा ने एक साक्षात्कार के दौरान गणेश शंकर विद्यार्थी सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान की संपादकीय टीम के साथ अपने अनुभव और दूरदर्शिता को साझा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश :

प्रश्न : आप युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, एक विद्यार्थी से कुलपति तक का सफर कैसा रहा?

उत्तर : मेरा सफर काफी उतार–चढ़ाव भरा रहा है। मेरा जन्म अविभाजित भारत में हुआ। उसके बाद मेरा परिवार दौराला (मेरठ) आ गया। बचपन में मेरा मन पढ़ाई में बहुत कम लगता था, लेकिन कुछ परिस्थितियों की वजह से मैंने अपने आप को बदला और जीवन में कुछ करने की उमंग पैदा हुई। यह रास्ता मुझे उत्तर प्रदेश के एकमात्र डेंटल कालेज केजीएमसी, लखनऊ तक ले गया। स्नातक पूरी होने के बाद आर्मी में डीपीसी आफिसर पद के लिये चुना गया। सेवानिवृत्त होने के बाद मैं सुभारती डेंटल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुआ। कुछ वर्ष बाद मुझे डायरेक्टर जनरल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, सुभारती मीडिया के चैनल हेड और उपकुलपति के पद पर काम करने का अवसर मिला। वर्तमान में विश्वविद्यालय में बतौर कुलपति सेवाएं दे रहा हूं।

परिचय

नाम :	डा. एन. के. आहूजा
पद :	कुलपति, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विष्वविद्यालय, मेरठ
षिक्षा :	एमडीएस, पीजीडीएचएचएम, एफआईसीडी, एफडब्ल्यूएफओ, एफपीएफए, एफआईसीसीडीई
उपलब्धि :	मेरठ रत्न अवार्ड, राजीव गांधी शिरोमणी अवार्ड, लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड सहित कई अन्य अवार्ड।

प्रश्न : आप वर्तमान में विश्वविद्यालय को किस स्थिति में देखते हैं और भविष्य में क्या बदलाव लाना चाहते हैं?

उत्तरः विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों तक पहुचाना ही मेरा एकमात्र मकसद हैं। इसके लिए प्रत्येक विभाग के नेतृत्व पर थोड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है, बाकी विभाग स्वयं क्रियाशील हो जाएगा। मैं कभी किसी का पक्ष नहीं लेता। मेरे लिए सब एक समान हैं, चाहें वह कोई शिक्षक हो या कोई छात्र। सभी मेरे लिए प्रिय हैं।

प्रश्न : विश्वविद्यालय में कार्य करने वाले मजदूरों के बच्चों के लिए आप क्या कर रहे हैं?

उत्तरः इन बच्चों को शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय के संस्थापक डा. अतुल कृष्ण ने विश्वविद्यालय के अंदर ईश्वरचन्द्र विद्यासागर विद्यालय की स्थापना की है, जो कि इन बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देता हैं। इससे उन मजदूरों के बच्चे शिक्षित बनेंगे और देश की प्रगति में योगदान देंगे। विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों में से अगर एक बच्चा भी आगे चलकर कामयाब हो जाए तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। हम बहुत जल्द ही एक स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत वेल्डिंग, बेकरी, इलेक्ट्रिशियन व अन्य कोर्स को शामिल किया गया है।

प्रश्न : आपके प्रेरणास्रोत कौन हैं?

उत्तर : मेरे जीवन में सबसे बड़ा सहयोग मेरे माता पिता का रहा, वही मेरे प्रेरणास्रोत हैं।

प्रश्न : आपके जीवन का सबसे कठिन निर्णय कौन सा रहा?

उत्तर : मेरे जीवन का कोई भी निर्णय ऐसा नहीं रहा है जो कठिन हो। हर व्यक्ति को अपना निर्णय स्वयं लेना चाहिए, न कि किसी के दबाव में। कोई भी कार्य तब सफल होगा जब आप खुद निर्णय लेंगे। आप जो भी कार्य करें उसको मन लगाकर करना चाहिए, तभी वह पूरा होगा।

प्रश्न : युवा पीढ़ी के लिए आपका क्या संदेश है?

उत्तरः अनुशासन और निष्ठा ऐसे दो स्तंभ हैं जिससे कोई भी युवा अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

ओ माई... ओ बाबुल मेरे...

ओ माई... ओ बाबुल मेरे...
मुझको तुम मार न देना...

चाहे तनिक दुलार न देना,
कर पाना तो बस इतना करना,
जन्म से पहले मुझे मार न देना,
मनुष्य हूं तो अधिकार है मुझको,
बेटी समझ यह अधिकार न हरना,
जीते जी मुझे मार न देना...

क्या दोष है मेरा ये बता देना,
तुम प्यार से मुझको सजा देना,
मैं भी अंश तुम्हारा ही हूं,
बोझ समझ धिक्कार न देना,
माई संग हंस लूंगी,
तो भईया संग खेलूंगी,
बाबुल मैं तुम्हारे दुख ले लूंगी,
मुझको तुम मार न देना....

संग समय के चलने देना,
रोको न मुझे बढ़ने देना,
नित नए परों से उड़ने देना,
बेटे से ज्यादा सम्मान करुंगी,
कुल और जग में नाम करुंगी,
पर बाबुल मुझको मार न देना....

स्वाति मिश्रा,
(बीजेएमसी, प्रथम वर्ष)

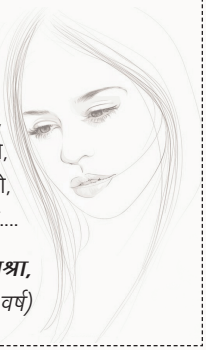

समसामयिकी

➡ 12 मार्च 2016 को इंडिया इंक विश्व में औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को अपनाने वाली पहली संस्था बनी।

➡ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने 12 मार्च 2016 को सम्मानित विशेष श्रेणियों के मतदाताओं को सुविधाजनक व स्वतंत्र निष्पक्ष मतदान के लिए पहल की।

➡ अमेरिकी गणितज्ञ और अर्थशास्त्री, नोबेल पुरस्कार विजेता लॉयड स्टाल शेपली का 12 मार्च 2016 को 92 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया।

➡ आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की संस्था 'आर्ट आफ लिविंग' के तीन दिवसीय विश्व सांस्कृतिक महोत्सव का शांति और सद्भाव से मिल जुलकर रहने के संदेश के साथ 13 मार्च को समापन हो गया।

➡ पोप फ्रांसिस ने मदर टेरेसा को 4 सितंबर 2016 को आयोजित कार्यक्रम में रोमन कैथोलिक संत का दर्जा दिए जाने की 15 मार्च 2016 को घोषणा की।

➡ म्यामांर की संसद ने नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की के करीबी और लंबे समय से सहयोगी रहे हेतिन काव को 15 मार्च को करीब आधी सदी बाद देश का पहला असैनिक राष्ट्रपति चुन लिया।

➡ विजय माल्या के खिलाफ हैदराबाद के एक कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने पुलिस को माल्या को 13 अप्रैल तक पेश करने के आदेश दिए हैं।

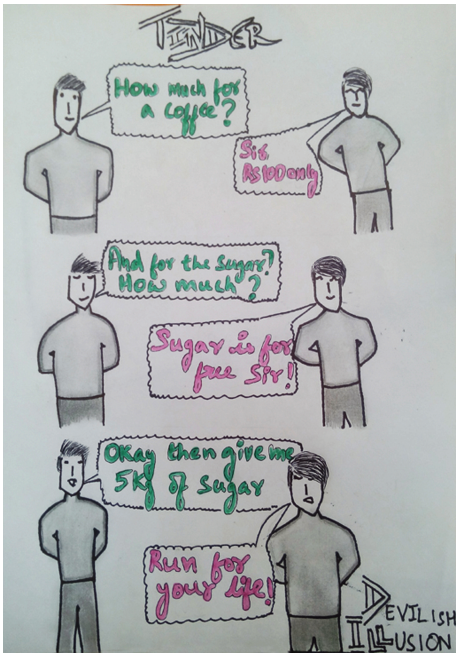

सुभारती पत्रकारिता संस्थान में आयोजित कार्यशाला में छात्र–छात्राओं को स्क्रिप्ट राइटिंग के गुर सिखाते 'आज तक' न्यूज चैनल के एसोसिएट प्रोड्यूसर हेमंत मिश्रा। QkVk % f'kik'k ikM;

छात्रों ने सीखे स्क्रिप्ट राइटिंग के गुर

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के गणेश शंकर सुभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान में 16 मार्च को स्क्रिप्ट राइटिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 'आज तक' न्यूज चौनल के एसोसिएट प्रोड्यूसर हेमंत मिश्रा ने छात्र–छात्राओं को स्क्रिप्ट राइटिंग के गुर सिखाए।

कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य डा. धर्मेंद्र सिंह ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए 'आज तक' न्यूज चौनल के एसोसिएट प्रोड्यूसर हेमंत मिश्रा ने कहा कि किसी भी फिल्म या न्यूज की कामयाबी उसकी स्क्रिप्ट राइटिंग पर निर्भर करती है। एक स्क्रिप्ट राइटर किस तरीके से कहानी प्रस्तुत करता है। वह कहानी के किस भाग को पहले लाता है और किस भाग को बाद में। उन्होंने कहा कि एक न्यूज चौनल में एक एंकर के पीछे पूरी टीम काम करती है उनसें भी एक स्क्रिप्ट राइटर की अहम भूमिका होती है। वह एक ऐसा व्यक्ति होता है जो खुद बेशक घटना पर मौजूद न हो पर घटनास्थल पर अपने दर्शकों को जरूर पहुंचा देता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह किसी नॉवेल को पढ़ते समय उसके एक–एक शब्द से हम यथार्थ में पहुंच जाते हैं, वही काम मीडिया में एक स्क्रिप्ट राइटर अपने शब्दों से करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आप चाहे किसी भी भाषा के स्क्रिप्ट राइटर बनना चाहते हैं, लेकिन आपको हिंदी भाषा पर पकड़ होना भी जरूरी है।

हेमंत मिश्रा ने छात्रों को एक क्राइम स्टोरी के कुछ तथ्य देकर स्क्रिप्ट लिखना भी सिखाया। और छात्रों की लिखी स्क्रिप्ट को पढ़कर उसमें हुई गलतियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का कोई फार्मूला नहीं है जिसे रटा जा सके इसे केवल प्रैवि. टकल से ही सीखा जा सकता है।

प्राचार्य डा. धर्मेंद्र सिंह ने हेमंत मिश्रा को प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उपप्राचार्य डा. नीरज कर्ण सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अरविंद कुमार, दीपा रानी, गुंजन शर्मा, सुरेंद्र कुमार अधाना और राकेश कुमार ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो सांस्कृतिक महोत्सव

युवा सोच

नेहा

कुछ दिन पूर्व नई दिल्ली में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने विश्व सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया। यह एक भव्य, विशाल तथा सुंदर सांस्कृतिक महोत्सव था।

इसमें कोई शक नहीं कि इस आयोजन ने भारतीय संस्कृति, सभ्यता व एकता को विश्व के सभी देशों में पहुंचाया तथा दूसरे देशों के संस्कारों को भी जाना। यहां सभी ने अपने धर्म को भूलकर एकता व अखंडता की विशाल मशाल जलाई। इस महोत्सव में लाखों लोग विश्व भर के संस्कारों की श्रेष्ठता तथा एकता को स्वीकारते और सराहते नजर आए। इस सांस्कृतिक आयोजन में 122 देशों से आए हजारों कलाकारों ने अपने संगीत, नृत्य व वाद्य यंत्रों से अपने देशों के संस्कारों का परिचय दिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। भारत एक महान संस्कारों का स्वरूप और एकमात्र ऐसा देश है, जहां सभी धर्मों के लोग अपने धर्म के साथ पूर्ण रूप से स्वतंत्र होकर रह रहे हैं। ऐसे देश में विभिन्न देशों की विभिन्न कला, संस्कृति व सभ्यता को प्रदर्शित करने के लिए एक विशाल मंच का आयोजन करना सराहनीय कार्य है, लेकिन यह पूर्ण रूप से विस्तृत महोत्सव नहीं है। यह विश्वस्तरीय महोत्सव तभी पूर्ण रूप से संपन्न माना जाना चाहिए, जब विस्तृत ज्ञान भारत के प्रत्येक क्षेत्र व गांवों में हो और प्रत्येक भारतवासी को इसका महत्व पता चले व पूर्ण रूप से इसकी विशेषता व आपसी एकता का महत्व समझे।

जिस प्रकार हम इस प्रकार के आयोजन का प्रचार व प्रसार देश–विदेश में कर रहे हैं, उसी प्रकार हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका प्रचार–प्रसार आवश्यक है। प्रत्येक भारतीय को देश में हो रहे ऐसे विशाल समारोह के उद्देश्य का ज्ञान होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने का एकमात्र उद्देश्य यह है कि इससे ग्रामीण भी देश–विदेश की संस्कृति से परिचित होंगे और भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों के युवा ज्यादा से ज्यादा ऐसे आयोजनों का हिस्सा बनेंगे और नई पीढ़ी एक कदम आगे आएगी।

आतिथ्य प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया हुनर

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के भीकाजी कामा सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में 12 मार्च को एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की 'आतिथ्य प्रतियोगिता 2016' का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि व भारत की भूतपूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के द्वारा बेस्ट शैफ ऑफ इंडिया के पुरस्कार से नवाजे जा चुके शैफ सब्यसाची गोराई ने किया। प्रतियोगिता में विभिन्न फाइव स्टार होटलों के शैफ व मुख्य प्रबंधक उपस्थित रहे। शैफ सब्यसाची गोराई ने उन सभी छात्र–छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन किया जो विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आये थे। इसके बाद भीकाजी कामा सुंभारती इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के प्राचार्य व प्रतियोगिता संचालक डा. शिवमोहन वर्मा ने मुख्य अतिथि सहित सभी लोगों का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में एनएफसीआई (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, एलपीयू विश्वविद्यालय (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, एसआरएम विश्वविद्यालय (होटल प्रबंधन विभाग) दिल्ली एनसीआर, एचआरआईएचएम (होटल प्रबंधन विभाग), गाजियाबाद, आईआईएमटी (होटल प्रबंधन विभाग), मेरठ एवं आईटीएमएफएचआरएआई (होटल प्रबंधन विभाग), ग्रेटर नोएडा सहित अनेक संस्थानों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कुकरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एनएफसीआई (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, बेकरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एनएफसीआई (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, मॉकटेल प्रतियोगिता में एलपीयू विश्वविद्यालय (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, कारविंग प्रतियोगिता में एलपीयू विश्वविद्यालय (होटल प्रबंधन विभाग) जालंधर, तथा रंगोली प्रतियोगिता में एसआरएम विश्वविद्यालय (होटल प्रबंधन विभाग) दिल्ली एनसीआर ने प्राप्त किया। शैफ सब्यसाची ने समग्र पुरस्कार एनएफसीआई कॉलेज की टीम को प्रदान किया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को भविष्य में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि होटल इंडस्ट्री के क्षेत्र में वह किस प्रकार सफलता प्राप्त कर सकते हैं। प्रतियोगिता के अंत में मुख्य अतिथि ने इस कार्यक्रम के आयोजकों को भविष्य में भी इसी प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके बाद प्रतियोगिता के संचालक डा. शिवमोहन वर्मा व उपसंचालक भौला चौरसिया ने भी छात्रों का हार्दिक अभिनंदन किया। इस प्रतियोगिता को अंतिम रूप देते हुए सुनील कुमार पंवार ने सभी छात्र–छात्राओं से कहा कि वह इस तरह कि प्रतियोगिता में भाग लेते रहें, जिससे उनको भविष्य में इसका लाभ मिल सके और अपना मुकाम हासिल कर सकें। प्रतियोगिता में होटल मैनेजमेंट के सभी शिक्षकगण, ऐनीस मसीह, गरिमा जैन, अंकित श्रीवास्तव, इंद्रनील बोस, यजवेंद्र सिंह व मुसीर आलम व डा. विशाल कुमार मौजूद रहे। कुलपति डा. एनके आहूजा ने आतिथ्य प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि शैफ सब्यसाची गौराई का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का समय है। प्रतियोगिताओं के जरिए ही छात्र–छात्राएं हुनर को निखार कर भविष्य में आगे बढ़ सकते हैं। उपसंचालक भोला चौरसिया व सचिव सुनील कुमार पंवार ने मुख्य अतिथि सहित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

'भीकाजी कामा सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में आयोजित 'आतिथ्य प्रतियोगिता 2016' में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

क्लिक ऑफ दि वीक

QkVk % ‘kHke dekj

रेत पर फिसलती बचपन की मासूमियत

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज :** अरविन्द कुमार **संपादकीय टीम :** पूनम, यासिर अरफात व मो. मुईद (एम. फिल.), शिवानी (एमजेएमसी प्रथम वर्ष), मो. हैदर, (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष) **विज्ञापन डिजाइन :** उदय कुमार **फोटोग्राफी टीम :** शुभम कुमार व शिप्रांशु पांडेय (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष) **पृष्ठ सज्जा :** अरविन्द कुमार
(आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं। —— प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार द्वारा ——